Suspension of Indian Airlines pilots

*304. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRI SURESH PACHOURI:

Will the Minister of CIVIL AVIATION & TOURISM be pleased to refer to the answer to Starred Question 101 given in the Rajya Sabha on the 1st December, 1992 and state:

(a) whether it is a fact that a number of pilots in the Indian Airlines have been put under suspension;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact a number of Pilots of the Indian Airlines have resigned their jobs in protest against the attitude of the Management;

(d) if so, what are the details thereof;

(e) whether it is also a fact that the Scheduled examination for the recruitment of trainee pilots has been postponed, indefinitely, by the Indian airlines; and

(f) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) and (b) During the period from 17th November to 6th December, 1992, 27 pilots have been placed under suspension pending enquiry. 26 pilots were suspended for refusal to operate rostered flights, refusal to proceed for endorsement training, acting in a concerted manner and reporting sick. One pilot has been placed under suspension on charges of conducting himself in a manner not conducive to the best interests, credit and prestige of the Corporation.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

(e) and (f) The written test for the post of Trainee Pilot has been postponed due to preoccupation of officers of Indian Airlines in connection with the agitation by the Indian Airlines Commercial Pilots' Association.

*System Improvement Schemes.

आय में बढ़ता हुआ अंतर

*305. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 12 अक्तूबर, 1992 को दैनिक "दि पायनियर" में "इनकम गेप वाइडन्स एज वैल्थ इंक्रीजिज" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में सम्पत्ति में वृद्धि बढ़ने के साथ ही साथ अमीर और गरीब के बीच का अंतर भी बढ़ता जा रहा है;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या सरकार ने हाल के मांडों में ऐसे कदम उठाये हैं कि अमीर और गरीब के बीच के अंतर में कमी आये;

(ङ) यदि हां, तो सरकार ने गेहूं, चावल, नमक, दूध, ईंधन आदि जैसी आम खाद्य वस्तुओं के मूल्यों में कमी लाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं; और

(च) इन कदमों के फलस्वरूप इन खाद्य वस्तुओं के मूल्यों में कितनी-कितनी कमी आई है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर): (क) जी हां।

(ख) और (ग) अमीर और गरीब की आय के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है। लेकिन, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, 1983-84 के मुकाबले 1987-88 वर्ष में गरीब के मुकाबले गरीब-भिन्न व्यक्ति के प्रति व्यक्ति मासिक पारिवारिक व्यय के अनुपात में ग्रामीण क्षेत्रों में मामूली सी कमी दिखाई दी है और शहरी क्षेत्रों में कुछ वृद्धि दिखाई दी है, यह नवीनतम उपलब्ध सूचना है। एक विवरण, जिसमें प्रति व्यक्ति मासिक पारिवारिक उपभोग व्यय बताए गए हैं, नीचे दिया है।